



Mr.Rohit Singh



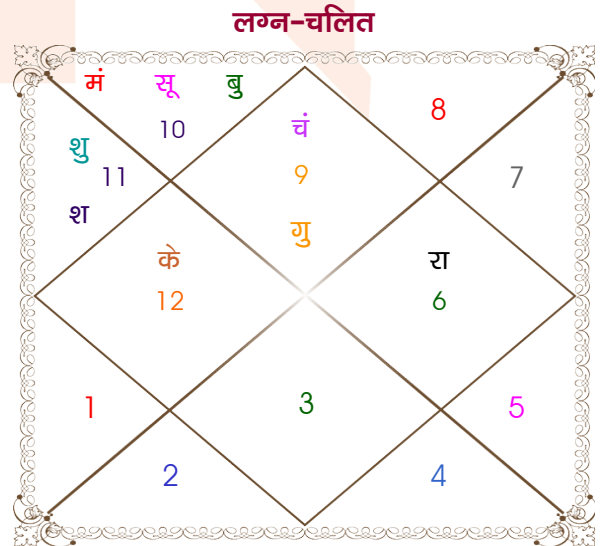
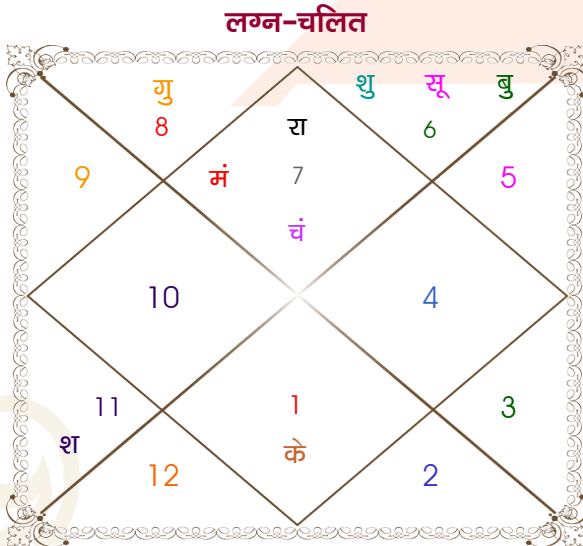
Ms.Ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120018208

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 28/09/1995 : _____ जन्म तिथि _____ 18-19/01/1996
 गुरुवार : _____ दिन _____ गुरु-शुक्रवार
 घंटे 08:41:00 : _____ जन्म समय _____ 05:20:00 घंटे
 घंटे 06:21:50 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 55:33:35 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Gwalior : _____ स्थान _____ Agra
 26:12:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 27:09:00 उत्तर
 78:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 78:00:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:18:00 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:08:15 : _____ सूर्योदय _____ 07:08:57
 18:08:58 : _____ सूर्यास्त _____ 17:47:40
 23:47:59 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:48:14

विंशोत्तरी गुरु 10वर्ष 2मा 20दि बुध 17/12/2024 18/12/2041	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 0वर्ष 6मा 6दि चन्द्र 27/07/2022 26/07/2032	
बुध	16/05/2027	13:49:00	तुला	लग्न	धनु 06:29:52	चन्द्र	27/05/2023
केतु	12/05/2028	10:43:59	कन्या	सूर्य	मक 04:22:10	मंगल	26/12/2023
शुक्र	13/03/2031	24:48:52	तुला	चंद्र	धनु 12:20:41	राहु	26/06/2025
सूर्य	18/01/2032	20:14:54	तुला	मंगल	मक 14:28:15	गुरु	26/10/2026
चन्द्र	18/06/2033	24:26:54	कन्या व	बुध व	मक 04:09:33	शनि	26/05/2028
मंगल	15/06/2034	16:13:28	वृश्चि	गुरु	धनु 09:41:11	बुध	26/10/2029
राहु	02/01/2037	21:01:46	कन्या	शुक्र	कुंभ 10:49:43	केतु	27/05/2030
गुरु	10/04/2039	26:30:52	कुंभ व	शनि	कुंभ 27:01:20	शुक्र	26/01/2032
शनि	18/12/2041	02:46:07	तुला	राहु व	कन्या 27:22:40	सूर्य	26/07/2032
		02:46:07	मेष	केतु व	मीन 27:22:40		
		02:45:20	मक व	हर्ष	मक 06:35:20		
		28:59:17	धनु व	नेप	मक 01:33:09		
		04:42:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि 08:40:52		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्त्वीपजैपदही का वर्ग सर्प है तथा Ms.Ayushi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्त्वीपजैपदही और Ms.Ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्त्वीपजैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण्त्वीपजैपदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Ayushi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.Ayushi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्त्वीपजै पदही तथा Ms.Ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

